12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 13 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

भारत सम्मान NEWS
हो जाओ सावधान...

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

वर्ष-13 अंक-148 — अम्बिकापुर, मंगलवार, 21 नवम्बर 2023 — कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

टहलने के लिए नहीं हैं राजमार्ग, पैदल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित याचिका पर विचार से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राजमार्ग लोगों के टहलने के लिए नहीं हैं। लोगों को राजमार्गों पर इधर-उधर नहीं घूमना नहीं चाहिए। अदालत ने कहा,कल, आप कहेंगे कि पैदल यात्रियों को राजमार्ग पर टहलने की अनुमति दी जानी चाहिए और कारें रुकनी चाहिए। ऐसा कैसे हो सकता है? अदालत नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति कैसे दे सकती है।

यह तर्कहीन याचिका-कोर्ट

जब वकील ने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि ऐसी दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई है, तो पीठ ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि राजमार्ग बढ़ गए हैं। हमारा अनुशासन नहीं बढ़ा है। पीठ ने कहा, आपको जो मिला है, उससे आप खुश रहिए। अगर लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो अदालत कैसे कह सकती है कि वे नियमों का उल्लंघन कर सकते हैं? पीठ ने कहा, यह तर्कहीन याचिका है। इसे जुर्माने के साथ खारिज कर दिया जाना चाहिए था।

गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

राजमार्गों पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणियां कीं। इन मुद्दों से संबंधित याचिका पर गुजरात हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शीर्ष अदालत सुनवाई कर रही थी। याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा था कि इस संबंध में कोई निर्देश नहीं दिया जा सकता क्योंकि याचिका में मांगी गई राहत नीतिगत निर्णयों का मामला है। कहा था कि याचिकाकर्ताओं के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से संपर्क करना का रास्ता खुला है।

लोगों को राजमार्गों पर इधर-उधर नहीं घूमना चाहिए-सुप्रीम कोर्ट

यह मामला सोमवार को जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि याचिका में उठाया गया मुद्दा राजमार्गों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा और संरक्षण से संबंधित है। इस पर पीठ ने कहा, पैदल यात्री राजमार्ग पर कैसे आते हैं? आंकड़ों का हवाला देते हुए जब वकील ने कहा कि देश में पैदल यात्रियों के साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है तो पीठ ने कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं तब होंगी जब पैदल यात्री वहां जाएंगे जहां उन्हें नहीं होना चाहिए। लोगों को राजमार्गों पर इधर-उधर नहीं घूमना चाहिए। यह अनुशासन आवश्यक है।

राया पटाखा कांडः 8 दिन में 11 मौतें, हे प्रभु अब तो रहम करो

मथुरा। हे प्रभु अब तो रहम करो। बस यही पंक्ति कस्बा नौहझील के हर व्यक्ति की जुबान से निकल रही हैं। एक ही परिवार में चार मौतों से कस्बे में कोहराम मच गया है। मोहन सिंह के परिवार में मौतों का सिलसिला अनवरत जारी है। सोमवार को एम्स हॉस्पिटल दिल्ली में राया अग्निकांड का शिकार हुए रिंकू ने भी दम तोड़ दिया। रिंकू की मौत का दुखद समाचार उसके परिवार के लिए किसी वज्रपात से कम नहीं है। दीपोत्सव पर्व पर कस्बा नौहझील के मोहन सिंह और उनके बच्चे आतिशबाजी का सामान बेच रहे थे। शायद उन्होंने कभी सोचा भी न होगा की यह दीपावली उनके लिए काल बनकर आई है। राया के पटाखा बाजार के अग्निकांड को नौहझील का यह परिवार ही नहीं बल्कि पूरा कस्बा कई दशकों तक कभी नहीं भूलेगा। मोहन सिंह और उसके तीन बेटे राजेश, रिंकू और जतिन पटाखा बाजार की उस आग में बुरी तरह झुलस गए थे। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल मथुरा ले जाया गया। वहां से उन्हें एम्स हॉस्पिटल दिल्ली रेफर कर दिया गया। बड़े अस्पताल में इलाज चल रहा था तो घर वालों को उम्मीद थी कि यह लोग जल्द ठीक होकर घर आएंगे। मगर भगवान को कुछ और ही मंजूर था। गुरुवार को मोहन सिंह के मंझले बेटे राजेश का अंतिम संस्कार हुआ। अभी राजेश की मां फूलवती अपने बेटे की मौत से संभल भी नहीं पाई थी कि अगले दिन ही उसके पति मोहन सिंह की मृत्यु का समाचार आ गया। मोहन सिंह का अंतिम संस्कार हुआ। उसके बाद फिर अगले दिन मोहन सिंह के चाचा बाबूलाल के नाती राहुल की मौत के समाचार ने तो मानो सबको झकझोर कर रख दिया। सबको उम्मीद थी कि मोहन सिंह के बेटे रिंकू और जतिन अस्पताल में मौत से चल रही जंग को जीत लेंगे मगर रिंकू भी जिंदगी से जंग लड़ते लड़ते सोमवार को हार गया। रिंकू का शव पोस्टमार्टम होने के बाद देर शाम घर आया, जहां परिजनों द्वारा मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

नफरत भरे भाषणों पर 28 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में नोडल अफसर नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नफरत भरे भाषण के बाद मॉब लिंचिंग और हिंसक भीड़ की घटनाओं को रोकने के लिए 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। नफरत भरे भाषण से बचाव और रोकथाम के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सर्वोच्च अदालत में स्थिति रिपोर्ट सौंपी है।

दिशा-निर्देश

अदालत ने अपने 25 अगस्त, 2023 के आदेश में राज्यों से इस संबंध में जवाब मांगते हुए 2018 के दिशा-निर्देशों का पालन करने के संबंध में अपनी स्थिति रिपोर्ट देने को कहा था। इन दिशा-निर्देशों में जिला स्तर पर राज्यों को नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करनी थी। इन दिशा-निर्देशों में फास्ट ट्रैक सुनवाई, पीड़ित को मुआवजा, दोषी को कड़ी सजा या अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को भी कहा गया है।

इन राज्यों में नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी

केंद्र सरकार ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, सिक्किम, लद्दाख, जम्मू व कश्मीर, लक्षद्वीप, अंडमान व निकोबार और पुड्डुचेरी में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति देशभर में नफरत भरे भाषण देने वालों के खिलाफ संज्ञान लेने और एफआईआर दर्ज करने के लिए की गई है। सर्वोच्च अदालत नफरत भरे भाषणों के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

भारत में अमेरिकी वीजा जारी करने की गति हुई तेज, राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा- इन दो राज्यों में खुलेंगे नए वाणिज्य दूतावास

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को यहां कहा कि अमेरिका भारत में वीजा जारी करने की गति तेज कर रहा है। कहा, छात्रों और पर्यटकों के लिए अमेरिका वीजा के लिए प्रतीक्षा समय कम होकर छह महीने से एक साल तक हो गया है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि भारत में जारी होने वाले अमेरिकी वीजा की संख्या हाल के हफ्तों में बैकलाग को खत्म करने के अभियान के हिस्से के रूप में एक तिहाई बढ़ गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बेंगलुरु और अहमदाबाद में जल्द ही नए वाणिज्य दूतावास खुलेंगे।

अमेरिका ने वित्त वर्ष 2024 के लिए इस वीजा की घोषणा की

वहीं, राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान गार्सेटी ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के दुष्परिणामों का सामना करने से बचने के लिए दोनों देशों द्वारा नियामक ढांचे पर गहन विचार करना चाहिए। अमेरिका ने की 64,716 अतिरिक्त एच-2बी वीजा की घोषणा अमेरिकी श्रम और होमलैंड सुरक्षा विभाग ने वित्त वर्ष 2024 के लिए अतिरिक्त 64,716 एच-2बी अस्थायी गैर-कृषि श्रमिक वीजा की घोषणा की है।

20 हजार वीजा इन देशों को होगा आवंटित

यह आवंटन कांग्रेस द्वारा अनिवार्य 66 हजार एच-2बी वीजा के अतिरिक्त है। जो प्रत्येक वित्तीय वर्ष नियोक्ताओं को अमेरिका में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए गैर-नागरिकों को अस्थायी रूप से नियुक्त करने की अनुमति देता है। इनमें से 20 हजार वीजा कोलंबिया, कोस्टा रिका, इक्वाडोर, अल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, हैती और होंडुरास के लिए आवंटित किया जाएगा।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर ज़ुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 07828866957 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
07828866957
09303890212

संपादकीय

दो समझौतों से उम्मीद

अतीत में बड़े देशों ने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब वर्तमान पीढी को अपने जीवनकाल में ही भुगतने पड़ रहे हैं। क्या अब दुनिया इस मसले को गंभीरता से लेगी? अगले 30 नवंबर से दुबई में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन से ठीक पहले दो समझौतों से उम्मीद बंधी है कि ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने की दिशा में अब कुछ प्रगति हो सकेगी। इनमें एक समझौता अमेरिका और चीन के बीच हुआ है, जो दुनिया में कार्बन गैसों के सबसे बड़े दो उत्सर्जक हैं। दूसरा समझौता यूरोपियन यूनियन (ईयू) में शामिल देशों के बीच हुआ है। अमेरिका और चीन राजी हुए हैं कि वे मिल कर ग्लोबल वॉर्मिंग का मुकाबला करेंगे। दोनों देश एक साझा कार्यदल बनाएंगे। यह कार्यदल ऊर्जा संक्रमण, मीथेन उत्सर्जन, निम्न उत्सर्जन वाले विकास कार्यक्रमों पर अमल, जंगलों की कटाई रोकने आदि जैसी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। उधर ईयू में हुए समझौते के तहत इसमें शामिल देश जीवाश्म ईंधन के उद्योगों में मीथेन गैस के उत्सर्जन की निगरानी करने और इसका रिसाव रोकने के नए कदम उठाएंगे। लेकिन गौरतलब है कि यह अभी एक प्रोविजनल संधि है। इसे तभी कानूनी दर्जा मिलेगा, जब समझौते में शामिल सभी देश इसका अनुमोदन कर देंगे। ईयू भी एक बड़ा उत्सर्जक है। दो साल पहले तक जलवायु परिवर्तन रोकने की दिशा में सबसे प्रभावी कदम ईयू में उठाए गए थे। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इन देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाया, जिससे वहां प्राकृतिक गैस की किल्लत हो गई। नतीजतन, ईयू के सदस्य कई देश जीवाश्म ऊर्जा को फिर से अपनाने लगे। उधर अमेरिका में तो कभी भी उत्सर्जन रोकने के कदम गंभीरता से नहीं उठाए गए। अब दुबई में होने वाली कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) से ठीक पहले इन देशों का फिर से उत्सर्जन रोकने का इरादा जताना सकारात्मक दिशा में है। बहरहाल, चूंकि अतीत में ऐसे समझौतों पर अमल का रिकॉर्ड बेहतर नहीं है, इसलिए ताजा समझौतों से क्या हासिल होगा, इसको लेकर संदेह बना रहेगा। अतीत में बड़े देशों ने जलवायु परिवर्तन की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी बहुत भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब वर्तमान पीढी को अपने जीवनकाल में ही देखने और भुगतने पड़ रहे हैं। क्या अब दुनिया इस मसले को गंभीरता से लेगी?

तीन लेयर सुरक्षा में स्ट्रांग रूम

32 कैमरों से निगरानी ईवीएम की निगरानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दो चरण में 90 विधानसभा सीटों में मतदान पूरा हो चुका है। 90 सीटों में कुल 1,181 उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला तीन दिसंबर को होगा।

शुक्रवार को हुए दूसरे चरण में मतदान के बाद अब ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया है। सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रायपुर जिले की सातों विधानसभा सीटों के 123 प्रत्याशियों का भविष्य कैद हो चुके हैं। स्ट्रांग रूम स्थानीय पुलिस के साथ सीआरपीएफ और बीएसएफ के तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में 24 घंटे है। परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कमरों के बाहर पुलिस बल के साथ सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। इनकी पहरेदारी

लगातार 16 दिनों तक चलेगी।

ईवीएम मशीनों को अलग-अलग कमरों में रखा गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में चूक न हो इसके लिए फोर्स के साथ सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पूरी बिल्डिंग की निगरानी की जा रही है। स्ट्रांग रूम के बाहर, सीढ़ियों और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर सीटीटीवी कैमरे की मदद से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पूरी बिल्डिंग में 32 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। स्ट्रांग रूम के अंदर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

देर रात तक जारी रहा स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को रखने का सिलसिला

शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान के बाद मतदान दल ईवीएम मशीनों के साथ लौटने लगे। सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को रखने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

हाथियों का खौफ जारी, पसान व केंदई रेंज में 4 लोनरों से बढ़ा खतरा

कोरबा। जिले के वन मंडल कटघोरा व कोरबा में हाथियो का खौफ जारी है यहां के पसान व केंदई रेंज में कुल 63 की संख्या में हाथी घूम रहें है। जिनमें से 59 हाथी पनगंवा व जलके क्षेत्र में सक्रिय है जबकि दो लोनर हाथी रेंज के बनिया व तनेरा गांव में मंडरा रहे है केंदई रेंज के साल्ही पहाड़ तथा उच्चलैंगा में दो लोनर हाथियो का विचरण दल से अलग हो रहा है।

लोनर हाथियो के चार जगहों पर सक्रिय होने से क्षेत्र में खतरा बढ़ गया है। बढ़ते खतरे को देख वन विभाग विशेष सर्तकर्ता बरत रहा है। विभाग की ओर इन हाथियो की विशेष निगरानी की जा रही है। क्योकि लोनर हाथियो के दल से अलग होकर विचरण करने से खतरा बढ़ जाता है। दल में रहने से लोनर का स्वभाव शांत रहता है जबकि अलग होने पर आक्रामक हो जाते है केंदई रेंज के साल्ही पहाड़ में मौजूद लोनर ने बीति रात

पहाड़ से नीचे उतर कर उत्पात मचाते हुए 9 ग्रामीणों के धान फसल को रौंद दिया वहीं पनगंवा व जलके में मौजूद हाथियो के दल ने भी आधा दर्जन किसानों की फसल को तहस-नहस किया है। इधर कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज अंतर्गत गुरमा में मौजूद 37 हाथियो का दल बीती रात बेकाबू हो गया । और गुरमा, चिरा व धनपुरी गांव में पहुंचकर 15 किसानो की फसल को उत्पात मचाते हुए मटिया मेट कर दिया। इन गांव में हाथियों द्वारा उत्पात मचाए जाने से ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह प्रभावित गांव पहुंचे । और हाथियो द्वारा रात में किए गए हाथियों द्वारा नुकसानी का आक्लन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की ।

मालगाड़ी के पहिए पटरी से उतरे

कोरबा-रायपुर। कोरबा में एक मालगाड़ी डिरेल हो गया है। गाड़ी के पीछे लगी बोगी के करीब चार पहिए पटरी से उतर गए। इसके बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच कर टीम के साथ मालगाड़ी को पटरी पर लाने जुट गए। सूत्रों ने बताया कि कोरबा के जिले में मालगाड़ी के पीछे के चार चक्के पटरी से उतर गए। जिसके बाद सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे रेलवे के अधिकारियों ने इस हादसे के पीछे के कारणों का पता लगाया जिसमें ट्रैक में अधिक मात्रा में कोल डस्ट जमा होने के कारण घटना होने की बात सामने आई है। साथ ही प्रबंधन के द्वारा समय पर देखरेख नहीं किए जाने के कारण घटना होने की बात कही जा रही है। इस पूरी घटना के बाद पटरी से उतरे डिब्बों का मरम्मत कार्य शुरू हो चुका है।

लंबे समय से परेशानी का कारण बने नगर के रेल फाटक

कोरबा। लंबे समय से प्रशासन, नगर निगम और रेलवे की ओर से केवल रेल फाटकों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रस्ताव बनाने और सर्वे कराने का काम ही किया जा रहा है। परिणाम अभी भी नजर नहीं आ रहे हैं। यात्री और मालगाडियों के आने-जाने के दौरान दिन भर में अनेक मौकों पर बंद होने वाले फाटक अब हर किसी के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं।

किसी तरह नगर में एकमात्र फ्लाईओवर मुख्य मार्ग पर दो दशक पहले बना जिसकी उपयोगिता अभी बहुत ज्यादा साबित नहीं हो सकी है लेकिन इतना जरूर है कि शहर के भीतर से वाहनों के दबाव को कुछ कम किया गया है। लेकिन वर्तमान में इमलीडुग्गू, संजय नगर और डीएसपीएम चैराहे पर समस्या को हल करने के लिए फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज की जरूरत महसूस की जा रही है। पिछले कुछ वर्षों से लगातार इस तरफ न केवल बात हो रही है बल्कि अलग-अलग स्तर पर योजना बनाने के साथ सर्वे भी कराए जा रहे हैं। डीएसपीएम चैराहे की रेलवे

क्रासिंग से जुड़ी समस्या और इसके कारण चार दिशाओं में होने वाली जनता की परेशानी को ध्यान में रखते हुए वाय आकार के फ्लाई ओवर के निर्माण का विचार किया गया। नगर निगम लगातार इस दिशा में सर्वे कराने पर भारी भरकम धनराशि खर्च कर रहा है। चुनावी वर्ष से पहले यहां तक प्रचारित किया जा चुका है कि रेलवे और राज्य शासन की भी भागीदारी के साथ फ्लाईओवर को तैयार कराया जाएगा। लोगों को दिखाने के लिए मिट्टी परीक्षण की कार्रवाई भी कर ली गई और इसके माध्यम से यह तय किया गया कि निचली सतह वाकई कितनी मजबूत है और तैयार होने वाली संरचना का भविष्य बेहतर होगा। इसके ठीक उल्टे संजय नगर रेलवे क्रासिंग के मामले में कई प्रकार की तकनीकी उलझने बताई जा रही है। नजदीक से बहने वाली हसदेव बांयी तट नहर के चलते किसी प्रकार के निर्णय नहीं हो सके हैं उल्टे अब क्रासिंग की सडक के पास रेलवे ने ओवरहेड लगाकर इसके दायरे को सकरा कर दिया है। वहीं इमलीडुग्गू रेलवे क्रासिंग से संबंधित समस्या के लिए न तो पहल हुई है और न तो काम। इन सबसे अलग इमलीछापर कुसमुंडा में ओवरब्रिज का काम शुरू कराया गया है।

कोरबा क्षेत्र में ऐसा कोई रास्ता नहीं बचा है जो जाम के चक्कर में हर किसी को परेशान कर रहा है। कोयला और राखड़ ट्रांसपोर्टिंग के अलावा दूसरे वाहनों के चलते इस तरह की समस्याएं हर कहीं पेश आ रही है। कुछ दलों ने चुनाव में इसे मुद्दे के रूप में प्रस्तुत किया।

ठंड ने दी दस्तक, प्रवासी पक्षी लौटने लगे अपने देश

कोरबा। ठंड की दस्तक के साथ ही श्रीलंका सहित कई देशों से आने वाले पक्षियों का प्रवास काल कनकी में पूरा हो चुका है। अब वे अपने बच्चों के साथ मीलों का सफर पूरा कर स्वदेश लौटने लगे हैं। दशकों से यह खास किस्म के पक्षी घोंगिल ओपनबिल्ड स्टार्क जिले के कनकेश्वर धाम को अपने प्रवास का सबसे प्रिय स्थान बना लिया है। वे यहां प्रजनन के लिए आते हैं।

पक्षियों का आगमन जून महीने में होता है। यह वह माह होती है जब शिव की आराधना के पवित्र माह सावन की भी शुरूआत होती है। भगवान शिव की आराधना के लिए प्रख्यात कनकेश्वर धाम में पक्षियों का आगमन शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण इन पक्षियों को आस्था से जोड़कर देखते हैं। बरसात की शुरूआत में इनका आगमन होने के करण इन्हें मानसून का सूचक भी माना जाता है। अब ठंड की शुरुआत होते ही पक्षी वापस लौटने लगे हैं। यह अपने घोसले इमली, बरगद ,पीपल,बबूल व बांस के पेड़ों पर बनाते हैं। स्टार्क पक्षी 10 से 20 हजार की संख्या तक अपने घोंसले बनाते हैं। एक पेड़ पर 40 से 50 घोसले हो सकते हैं। प्रत्येक घोसले में चार से पांच अंडे होते हैं। सितंबर के अंत तक इनके चूजे बड़े होकर उड़ने में समर्थ हो जाते हैं। घोसलों का स्थान भी निश्चित होता है। जहां प्रत्येक वर्ष यह जोड़ा उन्ही टहनियों पर

घोसला रखता है जहां पूर्व के वर्ष में था। गांव कनकी की जलवायु में प्रवासी पक्षियों को प्रजनन काल के लिए उपयुक्त वातावरण मिलता है। जिसके कारण ही यहां पिछले कई दशकों से यह सिसिला लगातार चलता आ रहा है। मुख्यतौर पर यह पक्षी दक्षिण पूर्व एशिया,श्रीलंका और दक्षिण भारत में भी पाए जाते हैं। पक्षी कीट भक्षी होने के कारण किसानों के सहयोगी हैं। धान की फसल को नुकसान करने वाले कीटों ये चट कर जाते हैं। प्राकृतिक आपदा गाज के कारण हर साल यहां पक्षियों की मौत होती है। इसके अलावा खेतों रासायनिक दवाओं के छिड़काव की वजह से पक्षियों के खतरा बना है। यही वजह है कि प्रवासी पक्षियों की संख्या लगातार कम हो रही है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 21 नवम्बर 2023

30 नवंबर और एक दिसंबर को रद रहेगी गरीब रथ, टिटलागढ़-बिलासपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर संबलपुर व रेंगाली के बीच होगी समाप्त

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत चंदिया रोड स्टेशन में प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग के तहत तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का कार्य दिनांक 25 नवंबर से चार दिसम्बर तक किया जाना प्रस्तावित है। इसके फलस्वरूप 30 से ज्यादा गाड़ियों को रद किया गया है। जिसमें गाड़ी 12535/12536 रायपुर-लखनऊ- रायपुर गरीब रथ एक्सप्रेस की रद होने की तिथि में संशोधन किया गया है। पहले लखनऊ से रवाना होने वाली गाडी 12535 लखनऊ-रायपुर गरीबरथ एक्सप्रेस को एक दिसंबर को रद करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इसे संशोधित करते हुए अब 30 नवंबर को इस गाड़ी को रद किया गया है। इसी तरह रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी 12536 रायपुर- लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस को पहले दो दिसंबर को रद करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इसे संशोधित करते हुए अब यह गाड़ी एक दिसम्बर को रद करने का निर्णय लिया गया है।

विलंब से रवाना होगी यह गाड़ी

28 नवम्बर से निजामुद्दीन से रवाना होने वाली गाड़ी 04044 निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से चार घंटे 15 मिनट विलंब से रवाना होगी।

अधोसंरचना विस्तार के लिए टिटलागढ़-बिलासपुर बीच में होगी समाप्त

रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत सरला-संबलपुर सेक्शन में ब्लाक लेकर विस्तार कार्य करवाया जा रहा है। यह कार्य 21 से 26 नवंबर तक किया जाएगा। कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा और गाड़ियों को बीच में ही समाप्त कर दिया जाएगा। इसमें 21, 22, 23, 25 एवं 26 नवंबर को टिटलागढ़ से चलने वाली 08263 टिटलागढ़-बिलासपुर पैसेंजर स्पेशल संबलपुर में समाप्त होगी एवं यह गाड़ी संबलपुर से 08264 बिलासपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर स्पेशल बनकर टिटलागढ़ के लिए रवाना होगी। वहीं, 21, 22, 23, 25 एवं 26 नवंबर को 08263/08264 टिटलागढ़-बिलासपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर संबलपुर एवं रेंगाली के बीच रद्द रहेगी।

चाकूबाजी में घायल युवक की मौत,हत्यारे गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई के खुर्सीपार क्षेत्र के मिनी माता नगर मार्केट में रविवार रात हुई चाकूबाजी में घायल युवक ने रात दम तोड़ दिया। जिसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि रविवार रात करीब 9 बजे मिनीमाता नगर खुर्सीपार निवासी विजय पासवान छठ पूजा कर अपने घर लौट रहा था उसी दौरान मिनीमाता नगर मार्केट के पास भूषण साहू,सुमित गेंदले तथा जुगनू नामक युवक ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गये। जिसके बाद घायल विजय को अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां देर रात उसकी मौत हो गई थी। इधर चाकूबाजी और हत्या की खबर मिलते ही भाजपाईयों तथा ननगईया पारा मोहल्ले के लोगों नें खुर्सीपार थाने का घेराव कर दिया और हत्यारों को पकडने की मांग की। भरे बाजार में हुयी इस जघन्य हत्या की घटना संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुये एसएसपी रामगोपाल गर्ग द्वारा तत्काल पृथक-पृथक टीम गठित कर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने दो संदेही जुगनू और सुमीत को सोमवार सुबह पकड़ लिया गया था जबकि भूषण साहू फरार हो गया था। जिसे शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जाता है कि मृतक वियय पासवान को आरोपी भूषण साहू की भाभी के साथ अवैध संबंध था जिसके चलते उसके भाई और भाभी का तलाक हो गया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद था। इसी बात को लेकर आरोपी भूषण ने वर्ष 2016 में भी मृतक विजय के साथ मारपीट की थी और अब ये पुरानी रंजिश हत्या में बदल गई। फिलहाल मामले में मुख्य संदेही भूषण साहू एवं उसके साथी जुगनू एवं सुमित से पुलिस पूछताछ कर रही है।

ढाई साल की बच्ची को कुत्तों ने घसीटा, 12 से ज्यादा जगहों पर बना घाव

रायपुर। ठंड आते ही राजधानी में एक बार फिर कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। गली-मोहल्लों में कुत्तों का झुंड अब बच्चों को निशाना बना रहा है। रविवार की देर रात एक ऐसी घटना रामनगर के गुलमोहर पार्क में देखने को मिली। जहां रात 11 से 11.30 बजे के बीच अन्य बच्चों के साथ खेल रही ढाई साल की बच्ची को कुत्तों के झुंड ने अपना शिकार बना लिया।

कालोनी में कई बच्चे खेल रहे थे, उन्हीं के साथ रितेश अग्रवाल की बेटी भी खेल रही थी। इसी दौरान बच्ची अन्य बच्चों से थोड़ा अलग होकर सड़क के दूसरी ओर गई, जहां कुत्तों के झुंड ने बच्ची पर हमला कर दिया और घसीट कर ले जाते रहे। आसपास लोगों ने जब हल्ला शोर मचाया, तब कुत्ते बच्ची को छोड़कर भागे। इस पूरे घटनाक्रम में बच्ची को 12 से अधिक जगह पर खरोच और चोट आई है। बच्ची के हाथ, पीठ, गले सहित कई जगहों पर चोट आई है। वहीं बच्ची के पिता ने बताया कि अगर कुछ देर और विलंब होता तो और ज्यादा चोटें आ सकती थीं। इसके बाद बच्ची को निजी अस्पताल ले जाया गया और इलाज करवाया गया। अब बच्ची की स्थिति बताई गई है।

शिकायत आने पर होता है निराकरण

डाग कैचर की टीम रोजाना क्षेत्रों का भ्रमण कर रही है और नसबंदी भी की जा रही है। इसके अलावा जहां से जन शिकायत आती है, उनका भी निराकरण करवाया जाता है।

-नागभूषण राव, अध्यक्ष, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, रायपुर

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

रायपुर शहर में कुत्तों के हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं देखने को मिल चुकी हैं। पिछले वर्ष भी रामनगर, कचना सहित कई अन्य जगहों में इस तरह की घटनाएं देखने को मिली थीं। उस समय भी कुत्तों ने बच्चों को अपना शिकार बनाया था।

घटना की शिकायत के बाद निगम ने करवाई नसबंदी

निगम के अफसरों के अनुसार सुबह सात बजे आवारा कुत्तों को लेकर निदान 1100 पर जनशिकायत की गई। इस पर डाग कैचर वाहन की टीम ने त्वरित रूप से रामनगर गुलमोहर पार्क क्षेत्र और उसके आसपास अभियान चलाकर सात श्वानों और संध्या को तीन श्वानों की धरपकड़ की। निदान 1100 में प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया। साथ ही त्वरित रूप से उनकी नसबंदी भी की गई।

मतदान कर्मचारी अव्यवस्था एवं भेदभाव के हुए शिकार, की शिकायत

पेंड्रा। बेलतरा एवं कोटा विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन ड्यूटी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिल के मतदान दल कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी, अव्यवस्था एवं भेदभाव की शिकायत सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग नईदिल्ली, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर एवं कलेक्टर से कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने एवं आगामी चुनावों में जिले के कर्मचारियों की निर्वाचन ड्यूटी जिले अंतर्गत लगाने की मांग की गई। कलेक्टर को सौंपे गए शिकायत पत्र में बताया कि जिले के कर्मचारियों की निर्वाचन ड्यूटी बेलतरा एवं कोटा विधानसभा क्षेत्र, जिला बिलासपुर में लगाई गई थी। मतदान दल को 16 नवंबर को मतदान केंद्रों में रवाना कर दिया गया था। जहां बेलतरा विधानसभा के बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्थित शहरी मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। मतदान दल के लिए खाना और चाय-नाश्ता का भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। रात विश्राम करने के लिए आवश्यक सामग्री बिस्तर इत्यादि की व्यवस्था भी नहीं की गई थी तथा प्रसाधन के लिए टायलेट की स्थिति भी खराब थी। पीने के पानी का सप्लाई पानी टंकी से किया जा रहा था जो कि कई सालों से सफाई नहीं किया गया था। 17 नवंबर को मतदान के दौरान बिलासपुर नगर निगम स्थित मतदान केंद्रों में दोपहर को जो भोजन का पैकेट भेजा गया उसमें दो सूखी पूड़ी, हल्दी मिला चावल और टमाटर का पानी जैसा चटनी था जो कि खाने के योग्य नहीं होने के कारण उसे मतदान दल के कर्मचारियों ने नहीं खाया। ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में भी मतदान दलों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ा। इसके बाद मतदान सामग्री जमा करने के लिए मतदान दल को काफी परेशान होना पड़ा। पूरी रात गुजर गई, सुबह पांच बजे तक मतदान सामग्री जमा कराया गया। इस बीच कर्मचारी रात भर ठंड से परेशान होते रहे। कई कर्मचारी बीमार भी पड़ गए, लेकिन वहां पर जिम्मेदार अधिकारियों ने अलाव की व्यवस्था भी नहीं की थी।

रिजर्व दल के कर्मचारियों ने की शिकायत

जिले के रिजर्व दल के कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया। उन्होंने इसकी शिकायत की। जिले के रिज़र्व दल के जिन कर्मचारियों की ड्यूटी कोटा विधानसभा क्षेत्र में ड्यूटी लगाई गई थी उन्हें ही ड्यूटी में भेजा जाता था और बिलासपुर जिले के कर्मचारियों को छोड़ दिया जाता था। शिकायत में बेलतरा विधानसभा के रिटर्निंग आफिसर आरए कुरुवंशी के उस बयान का भी जिक्र है जिसमें उन्होंने कहा है कि मतदान दल के कर्मियों को मानदेय दिया जाता है इसलिए उनकी ड्यूटी जिन मतदान केंद्रों में लगाई जाती है, वहां पर वह खाने पीने, ठहरने की व्यवस्था वो स्वयं कर सकते हैं। रिटर्निंग आफिसर के गैर जिम्मेदाराना बयान से मतदान दल के कर्मचारियों को बहुत ठेस पहुंचा है। इस मामले में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने शिकायत करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत करने वालों में सुरेंद्र सिंह, विश्वास गोवर्धन, आकाश राय, सत्य नारायण जायसवाल, प्रकाश रैदास, अमिताभ चटर्जी, प्रीतम कोशले, धर्मेंद्र कैवर्त अन्य शामिल थे।

शादी से मना करने पर युवक ने युवती के परिवार वालों की कर दी पिटाई

बिलासपुर। रतनपुर क्षेत्र के मुरलीबंद में रहने वाला युवक गांव की युवती से शादी की बात करने उसके घर गया। युवती के पिता और उसके परिवार के सदस्यों ने शादी से इन्कार कर दिया। इस पर युवक और उसके भाइयों ने युवती के घर में घुसकर युवती के पिता और बहन की पिटाई कर दी। मारपीट से घायल महिला ने इसकी शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

रतनपुर क्षेत्र में रहने वाली महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि रविवार की शाम वह अपने पति और परिवार वालों के साथ घर में थी। इसी दौरान गांव में रहने वाला नागेश सरवंश उनके घर आया। उसने महिला की बहन से शादी करने की बात कही। इस पर महिला के पति और ससुर ने युवती की शादी दूसरी जगह करने की बात कही। इससे नाराज होकर नागेश ने युवती की बहन और उसके जीजा से गाली-गलौज की। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी दी। हंगामे के दौरान नागेश का बड़ा भाई राजा सरवंश वहां आ गया।

उसने किसी तरह नागेश को युवती के घर से बाहर निकाला। इसके बाद उसे अपने साथ घर ले गया। थोड़ी ही देर में नागेश का भाई राजा अपने छोटे भाई अविनाश और पिता विष्णु को लेकर वहां आ गया। उन्होंने नागेश से मारपीट का आरोप लगाते हुए युवती की बहन, जीजा की पिटाई की। साथ ही बीच-बचाव करने आए उनके रिश्तेदारों से भी मारपीट की। मारपीट से घायल महिला ने घटना की शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 21 नवम्बर 2023

छत्तीसगढ़ में आदिवासियों ने जगाई लोकतंत्र की अलख, एसटी के लिए आरक्षित 28 सीटों पर 2018 के मुकाबले हुआ अधिक मतदान

रायपुर। आमतौर पर शहरी लोगों को अधिक जागरूक समझा जाता है, मगर प्रदेश में संपन्न हुए विधानससभा चुनाव में आदिवासियों ने लोकतंत्र की अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश की कुल 90 सीटों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित 29 में से 28 सीटों पर 2018 के चुनाव के मुकाबले इस बार दो से पांच प्रतिशत तक मतदान बढ़ा है।

प्रदेश में सबसे अधिक 87.64 प्रतिशत मतदान वाली सिहावा सीट भी आदिवासी बहुल है। वहीं प्रदेश की जिन 21 सीटों पर कम मतदान हुआ है, उनमें ज्यादातर सामान्य सीटें हैं। माना जाता है कि प्रदेश में लगभग 34 प्रतिशत आबादी वाले आदिवासी समाज का साथ मिले बिना किसी भी पार्टी को सरकार बनाना मुश्किल है। इनकी भूमिका किंग मेकर

जैसी रही है। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार इस बार कांग्रेस-भाजपा दोनों ही दलों ने आदिवासियों को लुभाने के लिए कई आकर्षक घोषणाएं की थीं। मतदान का प्रतिशत बढ़ने का यह भी एक कारण है। वहीं राजनीतिक विश्लेषक इसे अपने चश्मे से देख रहे हैं। उनका मानना है कि अधिक मतदान के दो मायने हो सकते हैं, या तो वर्तमान सरकार की ओर से लाई गई किसी योजना को लेकर मतदाता अति उत्साहित हो गए या फिर यह प्रदेश में बदलाव का संकेत भी हो सकता है।

प्रदेश में आदिवासियों का कद

प्रदेश की आबादी पौने तीन करोड़ से ज्यादा है। इनमें 34 प्रतिशत आदिवासी हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एसटी के आरक्षित 27 सीटों पर जीत हासिल की थी। लोकसभा में 11 में से चार सीटें बस्तर, कांकेर, रायगढ़ और सरगुजा एसटी के लिए आरक्षित हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ बस्तर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी जबकि तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। विधानसभा की 29 एसटी सीटों के अलावा भी 17 सीटें ऐसी हैं जहां 20 से 60 प्रतिशत तक आदिवासी निवासरत हैं। सबसे अधिक बस्तर संभाग में 12 सीटें हैं, जहां सभी सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं।

इन विधानसभा क्षेत्रों में घटा मतदान का प्रतिशत

पामगढ़, बसना, खल्लारी, भाटापारा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, कोरबा, कटघोरा, मरवाही, मुंगेली, बिलासपुर, डोंगरगांव, पंडरिया, खुज्जी, मरवाही एसटी, मुंगेली और पामगढ़ एससी के अलावा अन्य सभी सामान्य सीटों पर मतदान का प्रतिशत घटा है।

घोषणापत्र में आदिवासियों को साधने का प्रयास

कांग्रेस-भाजपा दोनों ही दलों ने घोषणाओं के माध्यम से आदिवासियों को साधने का पूरा प्रयास किया है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 4,000 रुपये की जगह अब 6,000 रुपये और 4,000 सालाना बोनस अतिरिक्त देगी। वहीं भाजपा की घोषणा के अनुसार यदि उसकी सरकार बनी तो प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये देगी। इसके अतिरिक्त 4,500 रुपये तक बोनस, चरणपादुका और अन्य सुविधाएं फिर शुरू करेगी।

संभागवार एसटी सीटों पर मतदान का प्रतिशत

बस्तर संभाग

अंतागढ़ में 79.79, भानुप्रतापपुर 81, कांकेर 81.14, केशकाल 81.89, कोंडागांव 82.37, नारायणपुर 75.06, बस्तर 84.67, चित्रकोट 81.76, दंतेवाड़ा 69.88, बीजापुर 48.37 और कोंटा में 63.14 प्रतिशत मतदान हुआ है।

सरगुजा संभाग

भरतपुर-सोनहट में 83.76 प्रतिशत, प्रतापपुर 83.45, रामानुजगंज 83.51, सामरी 83.44, लुंड्रा 85.03, सीतापुर 81.41, जशपुर 75.86, कुनकुरी 77.26 और पत्थलगांव में 78.76 प्रतिशत मतदान हुआ है।

बिलासपुर संभाग

लैलूंगा 85.52 प्रतिशत, धरमजयगढ़ 86, रामपुर 79.36, पाली तानाखार 80.73 और मरवाही में 78.31 प्रतिशत मतदान हुआ है।

रायपुर संभाग

बिंद्रानवागढ़ में 86.02 और सिहावा में 87.64 प्रतिशत मतदान हुआ है।

दुर्ग संभाग

डौंडीलोहारा में 81.89 और मोहला मानपुर में 79.38 प्रतिशत मतदान हुआ है।

विवाद के बाद युवकों से मारपीट, फिर चढ़ा दी कार

बिलासपुर। कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में कथित युवा कांग्रेस नेता ने मोहल्ले के युवकों से मारपीट की। इसके बाद भागते समय युवकों पर कार चढ़ा दी। कार की चपेट में दो युवक आ गए। इससे एक युवक कि स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। गोंडपारा में रहने वाले सिद्धू श्रीवास्तव ने मारपीट की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि रविवार की रात वे अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के लिए गए थे। ढाबे से आने के बाद वे मोहल्ले की एक दुकान में गए थे। वहां पर पहले से अभिजीत श्रीवास्तव खड़ा था। उसने सिद्धू और उसके दोस्तों से गाली-गलौज की। इसका विरोध करने पर अभिजीत ने अपने भाई युवक कांग्रेस नेता अमीन श्रीवास्तव को काल किया। अमीन ने आते ही सिद्धू और उसके साथियों से मारपीट की। इसके बाद वह भागते हुए अपनी कार में बैठ गया। कार को चलाते हुए उसने सिद्धू और वहीं पर खड़े मंजीत सोनी को टक्कर मार दी। इससे दोनों को चोटें आई। आसपास के लोगों ने कार की टक्कर से घायल सिद्धू और मंजीत को अपोलो अस्पताल पहुंचाया। सिद्धू को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, मंजीत की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सिद्धू की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

सीसीटीवी में कैद हो गई पूरी घटना

सिद्धू ने बताया कि जिस जगह पर मारपीट की घटना हुई है वहां पर सीसीटीवी लगा हुआ है। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। वहीं, कार से टक्कर मारने की घटना भी सीसीटीवी में कैद है। पीड़ित ने सीसीटीवी का फुटेज भी कोतवाली पुलिस को सौंप दिया है। इसके आधार पर घटना में शामिल युवकों की तलाश की जा रही है।

छह फीट ऊपर उछला फिर 20 फीट दूर जाकर सड़क पर गिरा युवक

सीसीटीवी में युवकों को कार से टक्कर मारने की घटना कैद हो गई है। सिद्धू ने बताया कि अभिजीत के काल करने पर अमीन श्रीवास्तव अपनी कार को तेज रफ्तार में चलाते हुए दुकान के पास आया। उसने पहले मंजीत को टक्कर मारी। इससे मंजीत करीब छह फीट ऊपर उछल गया। इसके बाद वह करीब 20 फीट दूर जाकर सड़क पर गिरा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आई हैं।

रायपुर में सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट, गोल्ड 350 तो सिल्वर 1700 रुपये हुआ सस्ता

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय बाजार के प्रभाव से सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई। इसका प्रभाव रायपुर सराफा बाजार पर भी पड़ा। सोना 350 रुपये सस्ता होकर 62,750 रुपये प्रति दस ग्राम (स्टैंडर्ड) और चांदी 1,700 रुपये लुढ़ककर 74,000 रुपये प्रति किलो हो गई। सराफा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी दोनों कीमती धातुओं में ऐसा ही रुख बना रहेगा। अब शादी सीजन शुरू होने को है, ऐसे में सराफा संस्थानों में ग्राहकी बढ़ने लगी है। सराफा संस्थानों में गहनों की नई रेंज के साथ ही पारंपरिक गहने भी उपलब्ध हैं। उपभोक्ता इन्हें काफी पसंद कर रहे हैं। लाइटवेट ज्वेलरी की भी नई

रेंज उपलब्ध है। सराफा कारोबारियों का कहना है कि इस वर्ष त्योहारी सीजन में हुए जबरदस्त कारोबार को देखते हुए शादी सीजन में भी जबरदस्त कारोबार होने की उम्मीद है।

दीवाली पर हुआ था 140 करोड़ का कारोबार

दीवाली पर प्रदेश में लोगों ने सोने-चांदी की ताबड़तोड़ खरीदारी की थी। प्रदेश में लगभग 140 करोड़ का व्यापार हुआ था। वहीं राजधानी रायपुर में ही 75 करोड़ का सोना-चांदी बिका था। त्योहारी सीजन में सराफा संस्थानों में सोने के सिक्कों की तुलना में मंगलसूत्र, चैन, नेकलेस, कंगन, टाप्स सहित अन्य आभूषणों की जमकर मांग हुई। संस्थानों में उपभोक्ताओं को बनवाई में छूट का आफर दिया गया था। वहीं अब शादी-सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में रायपुर से सराफा कारोबारियों को जबरदस्त कारोबार होने की उम्मीद है।

500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद

कोरबा। राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों की इकाइयों में खराबी का सिलसिला जारी है। मड़वा संयंत्र की 500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद करना पड़ा है। इसके पहले की हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम की 210 मेगावाट क्षमता की तीन नंबर इकाई में भी खराबी आई थी, जिसे बंद करने के बाद मेंटेनेंस कार्य किया गया। इस यूनिट को सुधार कार्य के बाद चालू किया गया, तब उत्पादन शुरू हो सका और वर्तमान में 150 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है। उधर मड़वा संयंत्र की बंद दो नंबर इकाई का भी मेंटेनेंस कार्य चल रहा है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही यूनिट को परिचालन में ले लिया जाएगा। ठंड बढ़ने की वजह से राज्य में बिजली की मांग घट कर पीक अवर्स में 3800 मेगावाट के करीब हो गई है। वहीं उपलब्धता 3986 मेगावाट है। विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीपी से 1340 मेगावाट के स्थान पर 1082, डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र से 500 के स्थान पर 464 मेगावाट, एक हजार मेगावाट के अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा से 426 मेगावाट तथा बांगो जल विद्युत संयंत्र से 120 के स्थान पर 39 मेगावाट बिजली उत्पादित हो रही है। इस तरह कंपनी से कुल 1992 मेगावाट बिजली रही। जबकि राज्य के सीपीपी व आइपीपी से बिजली लेने पर कुल उपलब्धता 2051 मेगावाट रही। मांग को पूरी करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से अनुबंधित 1747 मेगावाट बिजली ली जा रही है। इससे राज्य में बिजली की स्थिति सरप्लस बनी हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि मड़वा संयंत्र चालू होने व सभी इकाइयों के पूर्ण क्षमता से चालू होने पर भरपूर बिजली राज्य को मिलने लगेगी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547